"हिन्दी के छात्रों द्वारा व्याकरण सम्बन्धी गृहकार्य के प्रश्नो के उत्तर न दे पाने की समस्या का अध्ययन"

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

बी. एड. उपाधि हेतु प्रस्तुत

क्रियात्मक अनुसंधान

सत्र : 2010-2011

निर्देशक:

जनाब हबीब इकराम

शिक्षक- शिक्षण प्रशिक्षण विभाग

अनुसंधानकर्ता:

मोहम्मद ईस

बी० एड० (छात्राध्यापक)

हलीम मुस्लिम स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कानपुर

घोषणा-पत्र

मैं **मोहम्मद रईस** यह घोषणा करता हूँ कि प्रस्तुत क्रियात्मक अनुसंधान कार्य मेरी मौलिक कृति हैं तथा इसके पूर्व यह क्रियात्मक अनुसंधान कही अन्यत्र प्रस्तुत नही किया गया हैं।

अपने विद्वान निर्देशक **"जनाब हबीब इकराम"** के सफल निर्देशन में शोधकर्ता ने इस क्रियात्मक अनुसंधान की रचना में जिन विविध स्त्रोतो का प्रयोग किया हैं उनका संकेत संदर्भ ग्रन्थ सूची में कर दिया गया हैं।

शोधकर्ता

(मोहम्मद रईस)

छात्राध्यापक(बी० एड०)

Snow Kids

आभार स्वीकृति

प्रस्तुत क्रियात्मक अनुसंधान कानपुर के "डा० भीम राव अम्बेडकर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय" के **"हिन्दी के छात्रों द्वारा व्याकरण सम्बन्धी गृहकार्य के प्रश्नो के उत्तर न दे पाने की समस्या का अध्ययन"**हैं।

सर्वप्रथम मैं सर्वशक्तिमान "अल्लाह" के प्रति अपना अभार प्रकट करता हूँ जिसने मुझे इस क्रियात्मक अनुसंधान की रचना करने योग्य बनाया।

मैं अपने निर्देशक **"जनाब हबीब इकराम"**के प्रति अत्यन्त आभारी हूँ जिनके प्रखर निर्देशन और प्रोत्साहन से मैंने अपना शोध कार्य पूरा किया। आपके मार्गदर्शन और अमूल्य सुझावो के परिणामस्वरूप ही यह क्रियात्मक अनुसंधान साकार रूप मे प्रस्तुत हो सका हैं।

मैं **जनाब अंसार अहमद**, विभागाध्यक्ष बी. एड., हलीम मुस्लिम पी०जी० कालेज, कानपुर का भी हार्दिक आभारी हूँ जिन्होंने इस क्रियात्मक अनुसंधान को पूरा करने में अपना अमूल्य सहयोग प्रदान किया।

तत्पश्चात मैं "डा० भीम राव अम्बेडकर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गाँधी नगर, कानपुर" के अध्यापकों तथा प्रधानाचार्य को भी विशेष रूप से धन्यवाद देता हूँ, क्योंकि इनके सहयोग के बिना यह क्रियात्मक अनुसंधान पूरा न हो पाता।

शोधकर्ता

(मोहम्मद रईस)

Snow Kids

"क्रियात्मक अनुसंधान पर आधारित प्रायोगिक परियोजना का प्रतिवेदन"

परियोजना का शीर्षक	:	"हिन्दी के छात्रों द्वारा व्याकरण सम्बन्धी गृहकार्य के प्रश्नो के उत्तर न दे पाने की समस्या का अध्ययन"
अनुसंधानकर्ता का नाम	:	मोहम्मद रईस
अनुसंधान निर्देशक का नाम	:	जनाब हबीब इकराम
विद्यालय का नाम	:	डा० भीम राव अम्बेडकर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गॉधी नगर, कानपुर
कक्षा	:	8
अनुसंधान की अवधि	:	20 जनवरी 2011 से 09 फरवरी 2011 तक

Snow Kids

समस्या की पृष्ठभूमि

किसी भी भाषा के सही ज्ञान तथा उसके सही लिखने, पढ़नेऔर बोलने का ज्ञान व्याकरण के द्वारा ही सम्भव हैं। व्याकरण भाषा की आधारशिला हैं, जो भाषा को सुसज्जित ही नही करती वरन् संयत्रित एवं नियंत्रित भी करती हैं। जैसा कि **लेनार्ड ह्युम ग्रील्ड** ने अपनी पुस्तक में लिखा हैं- **"भाषा के रूप की सार्थक एवं शुद्ध व्यवस्था ही व्याकरण हैं"**। इस लिये यह आवश्यक है कि छात्रों को हिन्दी व्याकरण का उचित ज्ञान हो।

छात्राध्यापक ने विद्यालय में शिक्षाण अभ्यास करते समय देखा कि कुछ छात्र हिन्दी व्याकरण का अध्ययन करने में असमर्थ हैं और जिस प्रकार उन्हें व्याकरण को पढ़ना, समझना एवं आत्मसात करना चाहिय वैसा वे नही कर पा रहे हैं। इतना ही नही उन्हे व्याकरण सम्बन्धी जो भी गृहकार्य करने के लिये दिया जाता हैं, उसे भी भलीभाँति हल करके नही ला रहें हैं। जबकी इसके विपरीत गृहकार्य का वह भाग जो प्रत्यक्ष व्याकरण का नही हैं, उसे हल करने में तथा सही रूप में उत्तर देने में पूर्ण रूप से सक्षम सिद्ध हुये हैं।

व्याकरण वास्तव में किसी भाषा की रीढ़ की हड्डी हाती हैं। व्याकरण के न आने से या उसके गलत प्रयोग से किसी भी भाषा की सभी विधाओं में किया जाने वाला कार्य गलत एवं त्रुटियों से लैस होगा और परिणाम असुन्दर, कुरूप तथा अनाकर्षक होंगे।

अतः उपरोक्त समस्या केसामने आने पर छात्राध्यापक ने एक परियोजना के आधार पर इसे हल करने का प्रयास किया।

Snow Kids

परियोजना के उद्देश्य

किसी भी समस्या को दूर करने के लिये योजनाबद्ध तरीके से कार्य करना चाहिये। योजना समस्या को दूर करने के लिये नितान्त आवश्यक हैं, क्योंकि योजना के तहत समस्या पर कार्य करना सरल हो जाता हैं। असके अलावा समस्या को दूर करने के लिये उद्देश्य का होना भी अनिवार्य हैं। उद्देश्य लक्ष्य प्राप्ति का साधन हैं।

छात्राध्यापक ने उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए इस समस्या के अध्ययन हेतु एक परियोजना बनाई जिसके उद्देश्य निम्नवत् हैं-

- विद्यार्थियों को व्याकरण की उपयोगिता एवं महत्व का ज्ञान कराना।
- व्याकरण के द्वारा छात्रों की भाषा शैली में सुधार करना।
- व्याकरण के द्वारा छात्रों में सही लिखने, बोलने और पढ़ने की कला का विकास करना।
- विद्यार्थियों को व्याकरण का सही ज्ञान कराकर भाषा में होने वाली त्रुटियों से बचने की कला का विकास करना।
- छात्रों को नियमित व्याकरण अभ्यास के द्वारा होने वाले लाभ से अवगत कराना।
- छात्रों की व्याकरण सम्बन्धी होने वाली समस्याओं का निदान करना।

Snow Kids

परियोजना का महत्व

प्राय: यह देखा गया हैं कि कक्षा के कुछ छात्र भूगोल विषय के प्रति गम्भीर नही रहते हैं। उन्हें भूगोल विषय के महत्व का ज्ञान नही होता। अत: ऐसी स्थिती में उन्हें भूगोल विषय की सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक ज्ञान देना अति आवश्यक हैं। इसलिये यह परियोजना भूगोल विषय में रूचि न लेनेवाले छात्रों,छात्र के अभिभावको, उन्हें पढ़ाने वाले शिक्षाको तथा प्रधानाचार्यो के लियें अत्यन्त महत्वपूर्ण क्योकिं-

- ✓ इसके अनुसार कार्य करने से छात्रों में व्याकरण के प्रति रूचि उत्पन्न की जा सकती हैं।
- ✓ इस परियोजना के द्वारा छात्रों की व्याकरण सम्बन्धि समस्यायें दूर की जा सकती हैं।
- ✓ इस परियोजना पर अमल करके छात्रों में व्याकरण की उपयोगिता एवं महत्व की प्रवृत्ति का विकास किया जा सकता हैं।
- ✓ इस परियोजना के द्वारा विद्यार्थियों के अभिभावकों, अध्यापकों एवं विद्यार्थियों में व्याकरण के सही ज्ञान प्राप्त करने की प्रवृत्ति का विकास किया जा सकता हैं।
- ✓ इस परियोजना के द्वारा विद्यार्थियों की भाषा शैली में व्यापक परिवर्तन किया जा सकता हैं।

Snow Kids

परियोजना का अभिकथन

प्रस्तुत परियोजना में छात्राध्यापक ने "हिन्दी के छात्रों द्वारा व्याकरण सम्बन्धी गृहकार्य के प्रश्नो के उत्तर न दे पाने की समस्या का अध्ययन" किया हैं।

समस्या का परिसीमन

समस्या के अध्ययन हेतु व इसका समाधान करने हेतु "डा० भीम राव अम्बेडकर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय", गाँधी नगर, कानपुर के कक्षा 8 के 22 विद्यार्थियों को लिया गया हैं।

Snow Kids

समस्या के कारणो का विश्लेषण

क्रम संख्या	समस्या के सम्भावित कारण	साक्ष्य	तथ्य या अनुमान	अनुसंधानकर्ता का नियंत्रण	प्राथमिकता क्रम
1	छात्रों का हिन्दी के अतिरिक्त दूसरे विषयों में अधिक रूचि लेना	छात्रों का अन्य विषयों के प्रति रूझान देखकर।	तथ्य	नियंत्रण सम्भव हैं।	4
2	छात्रों के अभिभावको का हिन्दी के प्रति उपेक्षा का भाव रखना।	छात्राध्यपक ने अनुमान लगाया।	अनुमान	नियत्रणं सम्भव हैं।	6
3	विद्यालय में व्याकरण से सम्बधित पुस्तकों एवं सामग्री का आभाव होना।	विद्यालय में उपलब्ध शिक्षाण सामग्री का निरीक्षण करके।	तथ्य	नियत्रणं सम्भव हैं।	5
4	छात्रों के गृहकार्य को भलीभॉति न जॉचा जाना।	छात्रों की अभ्यास पुस्तिका को देखकर।	तथ्य	नियत्रणं सम्भव हैं।	1
5	शिक्षाण के समय अध्यापकों का व्याकरण भाग की व्याख्या न करना।	शिक्षाण कला को देखकर।	तथ्य	अध्यापकों के सहयोग सेनियंत्रिण सम्भव हैं।	2
6	हिन्दी के गृहकार्य की मात्रा अधिक होना लगना।	गृहकार्य की कापी का अवलोकन करके	तथ्य	नियत्रणं किया जा सकता हैं।	3

Snow Kids

क्रियात्मक परिकल्पनाओं का निर्माण

समस्या के कारणों के विश्लेषण के आधार पर क्रियात्मक अनुसंधान की परिकल्पनाओं का निर्माण किया जाता हैं। इसमें परिकल्पनाओं का आधार वे कारण होते हैंजिन पर अनुसंधानकर्ता का पूर्ण नियंत्रण होता हैं। अतः अनुसंधानकर्ता ने अपनी समस्या के समाधान हेतु निम्नलिखित दो परिकल्पनाये बनायी हैं:-

प्रथम क्रियात्मक परिकल्पना

विद्यालय में छात्रों को हिन्दी व्याकरण की उपयोगिता एवं महत्व समझाकर तथा अभिभावकों एवं अध्यापको के द्वारा उनकी समस्याओं का निराकरण करके विद्यालय के छात्रों में हिन्दी व्याकरण के प्रति रूचि को उत्पन्न किया जा सकता हैं।

द्वितीय क्रियात्मक परिकल्पना

अध्यापको के द्वारा पाठ को रोचक बनाने के लिये उचित विधियों व प्रविधियों का प्रयोग कर छात्रों को अध्ययन के लिये प्रेरित किया जा सकता हैं।

उपकरणों का चयन

समस्या के अध्ययन हेतु बनाई गयी परिकल्पना के परिक्षण के लिये अनुसंधानकर्ता ने कई तथ्य एकत्रित किये जिसके लिये उसने निम्न उपकरणों का चयन किया :-

- प्रेक्षण
- व्याकरण सम्बन्धी पुस्तकें
- प्रतिपृच्छा
- सूचना
- व्याकारण सम्बन्धी निर्देश

Snow Kids

प्रथम क्रियात्मक परिकल्पना के परिक्षण हेतु कार्य विधि

क्रम संख्या	किया गया कार्य	कार्य विधि	प्रयुक्त उपकरण	समय-अवधि
1	छात्राध्यापक द्वारा विद्यार्थियों की हिन्दी के गृहकार्य पुस्तिका का निरीक्षण किया।	अभ्यास पुस्तिका का निरीक्षण करके	निरीक्षण	1 दिन
2	छात्राध्यापक गृहकार्य की अधिकता को कम किया गया।	अध्यापकों से विचार-विमर्श करके	विचार-विमर्श	2 दिन
3	छात्राध्यापक द्वारा प्रधानाचार्य की अनुमति से सभी छात्रों के अभिभावकों को विचार-विमर्श के लिये बुलाया गया।	छात्रों की विद्यालय की डायरी में सूचना देकर	अभिभावको को सूचना	2 दिन
4	विचार-विमर्श के दौरान छात्राध्यापक द्वारा अभिभावकों को व्याकरण की महत्ता से अवगत कराया गया।	अभिभावकों से विचार विमर्श करके	छात्रों के अभिभावकों से विचार-विमर्श करके	3 दिन

Snow Kids

प्रथम क्रियात्मक परिकल्पना के ऑकड़ो का विश्लेषण

छात्राध्यापक ने प्रथम क्रियात्मक परिकल्पना परिक्षाण हेतु 8 दिनों तक कार्य किया इसके अवलोकन के पश्चात् उसने पाया कि छात्रों के अध्यापको एवं अभिभावको के प्रयास से छात्र हिन्दी व्याकरण का अध्ययन करने लगे हैं परन्तु उनमें पूर्ण रूचि उत्पन्न नही हुई हैं जो संतोषजनक हो।

अतः छात्राध्यापक को 8 दिनो तक कार्योपरान्त संतोषजनक सफलता नही मिली। तत्पश्चात् छात्राध्यापक ने द्वितीय परिकल्पना के परिक्षाण हेतु कार्य किया।

Snow Kids

द्वितीय क्रियात्मक परिकल्पना के परिक्षण हेतु कार्य विधि

क्रम संख्या	किया गया कार्य	कार्य विधि	प्रयुक्त उपकरण	समय
1	छात्राध्यापक ने व्याकरण के प्रति रूचि न लेने वाले छात्रों का पता लगाया।	कक्षा में छात्रों को व्याकरण से सम्बन्धित कुछ प्रश्न देकर	प्रेक्षण	2 दिन
2	विद्यालय में व्याकरण से सम्बधित पुस्तकों एवं सामग्री की व्यवस्था कराई गई।	प्रबन्धक व प्रधानाचार्य के सहयोग द्वारा।	प्रतिपृच्छा	2 दिन
3	शिक्षण के दौरान छात्राध्यापक ने व्याकरण के कठिन भागो एवं नियमों आदि को ढंग से समझाया।	कक्षा में शिक्षण कार्य के व्यापक द्वारा	व्याकरण सम्बन्धि पुस्तकें	3 दिन
4	छात्राध्यापक द्वारा विद्यार्थियों को हिन्दी व्याकरण का अध्ययन करने सम्बन्धि निर्देश दिये गये।	कक्षा में सभी विद्यार्थियों को निर्देश द्वारा।	व्याकरण सम्बंधि निर्देश पुस्तिका व बालकों की पुस्तिकाए	3 दिन

Snow Kids

द्वितीय क्रियात्मक परिकल्पना के ऑकड़ो का विश्लेषण

उपरोक्त परियोजना के अनुसार छात्राध्यापक ने 10 दिनों तक द्वितीय परिकल्पना के परीक्षण हेतु कार्य किया और अवलोकन के माध्यम से विद्यार्थियों में गुणात्मक सुधार को देखा और यह पाया कि अभिभावकों, शिक्षाकों व प्रधानाध्यापक के द्वारा परियोजना के अनुसार कार्य करने पर छात्रों में व्याकरण सम्बन्धी गृहकार्य के प्रश्नो के उत्तर न दे पाने की समस्या समाप्त हो रही हैं। तथा कक्षा में शिक्षण के द्वारा पता चला कि छात्र अध्ययन में व्याकरण के प्रति अधिक रूचि लेने लगे हैं।

Snow Kids

परिणाम:-

छात्राध्यापक के द्वारा विद्यालय में छात्रों द्वारा व्याकरण सम्बन्धी प्रश्नो के उत्तर न दे पाने की समस्या को दूर करने लगभग 18 दिनों तक दो क्रियात्मक परिकल्पनाओं के अनुरूप कार्य किया गया। परिणाम स्वरूप यह देखा गया कि समस्या के अध्ययन में शामिल लगभग 22 विद्यार्थी व्याकरण गृहकार्य के प्रश्नो के उत्तर पूरा करके लाने लगे हैं।

परियोजना का मूल्यांकन:-

छात्राध्यापक ने लगभग 18 दिनों तक इस परियोजना पर कार्य करने तथा किये गये कार्य का अवलोकन करने के पश्चात् विद्यार्थियों एवं अन्य सभी शिक्षकों तथा अभिभावकों से साक्षात्कार के माध्यम से आँकड़े एकत्र किये। एकत्रित आँकड़ों का अवलोकन करने के पश्चात् छात्राध्यापक ने पाया कि परियोजना के क्रियान्वयन से कक्षा 8 के विद्यार्थियों में व्याकरण सम्बन्धि गृहकार्य के प्रश्नों के उत्तर न कर पाने की समस्या में सुधार हुआ हैं तथा वे व्याकरण विषय की उपयोगिता व महत्ता को समझने लगे हैं। अब वे नियमित रूप से कक्षा के साथ समस्यात्मक विषय के गृहकार्य को पूरा करने लगे हैं।

अत: छात्राध्यापक द्वारा बनाई गयी परियोजना सफल सिद्ध हुई तथा इसका लाभ छात्रों, अध्यापकों तथा अभिभावकों को हुआ।

निष्कर्ष:-

परियोजना के उपरोक्त मूल्यांकन के आधार पर निष्कर्षत: हम यह कहसकते हैं कि विद्यार्थियों को उचित निर्देश देकर और उनके कार्यो का निरीक्षण करके एवं उनके द्वारा स्वयं कार्य करवाकर सामने आने वाली समस्याओं का निदान किया जा सकता हैं।

अत: छात्राध्यापक को शिक्षण कार्य के समय अपने क्रियाकलापों में सुधार करके तथा छात्रों को उचित निर्देश के द्वारा उनका मार्गदर्शन करना चाहियें।

Snow Kids

सुझाव

छात्राध्यापक के द्वारा परियोजना के क्रियान्वयन के पश्चात् निकाले गये निष्कर्षों के आधार पर शिक्षकों, प्रधानाचार्य तथा शिक्षा व्यवस्था से जुड़े सभी व्यक्तियों को निम्नलिखित सुझाव दिये जा सकते हैं:-

- शिक्षकों को कक्षा में नवीनतम शिक्षण विधियों का प्रयोग करके रोचकता उत्पन्न करनी चाहिये।
- शिक्षण के स्तर की प्रगति तथा गुणात्मक विकास से योजना का प्रत्यक्ष सम्बन्ध होना चाहिये।
- शिक्षकों को चाहिये कि वे छात्रों को विषय की उपयोगिता एवं जानकारी प्रदान करें।
- छात्रों को गृहकार्य देने से पूर्व कक्षा में कुछ उदाहरण कराने चाहिये।
- गृहकार्य की मात्रा अधिक नही होनी चाहिये।
- अभिभावकों को प्रेरित किया जाये कि वे छात्रों का पूर्ण रूप से सहयोग करें।

Snow Kids

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- सिंह, डा० कर्ण, (2006-2007) हिन्दी शिक्षण, गोविन्द प्रकाशन, लखीमपुर खीरी।
- चतुर्वेदी, डा० शिखा, (2005) हिन्दी शिक्षण, विनय रखेजा प्रकाशन, मेरठ।
- पाठक, पी० डी०, (2008) हिन्दी शिक्षण, विनोद प्रस्तक मंदिर, आगरा।
- हिन्दी मंजरी कक्षा-6, (2008) उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद, इलाहाबाद।

Snow Kids

हलीम मुस्लिम स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कानपुर

सत्र : 2010-2011